भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2015

- अनुसंधानिक उपलब्धियाँ
- मानव संसाधन विकास
- पुरस्कार एवं सम्मान
- गतिविधियों के परिदृश्य
- प्रकाशन
- प्रस्तुत व्याख्यान
- सहभागिता
- परामर्शी/ सलाहकार सेवाएँ
- कार्मिक

निदेशक की कलम से . . .

समाचार पत्र के इस अंक में प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान प्रमुख अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संबंधी उपलब्धियों एवं संस्थान की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

बैलेंस्ड इनकम्पलीट लेटिन स्क्वायर्ड डिजाइन BILS *(v, r)* को ऑर्थोगोनल लेटिन स्क्वायर्डों के एक युग्म के माध्यम से लेटिन स्क्वायर्ड ऑर्डर *v* से *v-r* डिस्ज्वॉइंट ट्रांसवर्सलों को अलग कर निर्मित किया गया। $3 < v < 21$ के सभी मानों ($v = 6, 10, 14, 18$ को छोड़कर) के लिए संतुलित लेटिन स्क्वायर्ड अभिकल्पनाओं के ऑनलाइन सृजन के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया गया (www.isari.res.in/design/BILS_Design/Default.aspx पर उपलब्ध है)।

पंक्ति स्तंभ अभिकल्पनाओं के ऑन लाइन सृजन के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया गया जिसमें मुख्य प्रभावों और सरल अन्योन्यक्रियाओं के लाम्बिक आकलन हेतु 2^n ($n < 10$) बहुउपादानी परीक्षणों के लिए दो पंक्तियों में प्रत्येक परीक्षणों का समान रूप से पुनरावर्तन किया गया। यह मॉड्यूल मुख्य प्रभावों और सरल अन्योन्यक्रियाओं के लाम्बिक आकलन के लिए समान पैरामैट्रिक रेंज में असमान पुनरावर्तनों के साथ अभिकल्पनाएँ भी सृजित करता है।

आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, एफएओ, डीईएस - योजना विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार; सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार; स्काइमेट वेदर सर्विसिस प्रा. लिमि. नोएडा प्रत्येक द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भा.कृ.अनु.प. - भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली द्वारा चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रायोजित किया गया। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय कार्यशाला तथा एक हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए गए। डॉ. दिनेश कुमार को कृषि में प्रौद्योगिकी प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीटीएमए) में भा.कृ.अनु.प. द्वारा नामित एवं प्रायोजित अभ्यर्थी के रूप में पहले बैच में प्रथम रैंक प्राप्त करने के लिए स्नातक समारोह में शिक्षण उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र के साथ स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। संस्थान के वैज्ञानिकों ने उन्हें सौंपे गए भिन्न-भिन्न कार्यों के लिए विभिन्न देशों, जैसे कि कोरिया, ब्राजील का दौरा किया।

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान 14 नई परियोजनाएँ आरंभ की गईं। संस्थान के वैज्ञानिकों ने 23 शोध-पत्र, 06 पुस्तक अध्यायों, 01 पॉकेट डायरी, एक लोकप्रिय लेख 02 प्रशिक्षण मैनुअल तथा 01 परियोजना रिपोर्ट का प्रकाशन किया। इसके अलावा, 01 परियोजना रिपोर्ट का प्रकाशन किया। 01 डाटाबेस भी विकसित किया गया, जो कि संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों द्वारा 35 आमंत्रित व्याख्यान/ व्याख्यान प्रदान किए गए। संस्थान के वैज्ञानिकों ने अनेक सम्मेलनों/ संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं आदि में सहभागिता की।

भकृसांअसं के दो ऑनलाइन सॉफ्टवेयरों/ प्रकाशनों के लिए कॉपीराइट प्राप्त कर लिया गया है। एक कॉपीराइट 'वेब जेनरेशन ऑफ एक्सपेरिमेंटल डिजाइन्स बैलेंस्ड फॉर इनडायरेक्ट अफेक्ट्स ऑफ ट्रीटमेंट्स (WebDBIE)' (जो www.iasri.res.in/webdbie पर उपलब्ध है) के लिए तथा दूसरा कॉपीराइट 'पाइलट स्ट्डी ऑन कॉस्ट ऑफ प्रॉडक्शन ऑफ कोकोनट इन केरला' के लिए है।

संस्थान के 56वें वार्षिक दिवस के समारोह के दौरान नेहरु स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया और वर्ष 2012-14 के लिए नेहरु स्मृति स्वर्ण पदक मोह. हारुन, एम.एससी. (कृषि सांख्यिकी), सुश्री संचिता नहा, एम.एससी. (संगणक अनुप्रयोग) तथा सुश्री पुरु सुप्रिया, एम.एससी. (जैवसूचना विज्ञान) छात्रों को प्रदान किया गया। वर्ज़ 2014-15 के लिए संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट का भी विमोचन किया गया

संस्थान में 07 से 14 सितंबर, 2015 के दौरान आयोजित हिंदी सप्ताह के अंतर्गत संस्थान के पूर्व निदेशक, डॉ. विजय कुमार भाटिया द्वारा कृषि सांख्यिकी में मेरा अनुभव विषय पर डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान के साथ-साथ काव्य-पाठ, वाद-विवाद, प्रश्न-मंच, अंताक्षरी, इत्यादि विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। प्रतियोगिताओं के सफल प्रतियोगियों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ वर्ष 2014-15 के दौरान सरकारी कामकाज मूल रूप से हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नकद पुरस्कार प्रदान किये गये तथा संस्थान में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं के वक्ताओं को भी सम्मानित किया गया। आशा है कि इस अंक की विषय-वस्तु राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरईएस) के वैज्ञानिकों के लिए सूचनाप्रद एवं उपयोगी होगी। समाचार-पत्र की विषय-वस्तु में सुधार लाने हेतु आपके सुझावों का स्वागत है।

(यू. सी. सूद)

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 02 जुलाई-सितंबर 2015

अनुसंधानिक उपलब्धियाँ

- **डिजाइन रिर्सोस सर्वर का संतुलित अपूर्ण लेटिन स्क्वायर्ड अभिकल्पनाओं से सुदृढ़ीकरण :** लेटिन स्क्वायर्ड अभिकल्पनाओं का तुलनात्मक परीक्षणों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, जहां दो क्रॉस्ड ब्लॉकिंग गुणांक मौजूद होते हैं और प्रत्येक ब्लॉकिंग गुणांक का v स्तर होता है, जहां v लेटिन स्क्वायर्ड में लेटिन अक्षरों की संख्या के बराबर या अभिकल्पना में ट्रीटमेंटों की संख्या के बराबर होता है। इस विधि में प्रत्येक लेटिन अक्षर प्रत्येक पंक्ति और प्रत्येक स्तंभ में वास्तविक रूप से एक ही बार आता है। तथापि, प्रत्येक पंक्ति और/या प्रत्येक स्तंभ में सभी v लेटिन अक्षरों या ट्रीटमेंटों को वास्तविक रूप से एक ही बार समायोजित करना संभव नहीं हो सकता है, जिसके कारण ऐसी स्थिति आ जाती है कि प्रत्येक पंक्ति और/या स्तंभ में v से कम लेटिन अक्षर या ट्रीटमेंट हो सकते हैं। अन्य शब्दों में, लेटिन स्क्वायर्ड विधि और लेटिन स्क्वायर्ड डिजाइन में रिक्त ग्रंथियाँ होंगी, जिसका अर्थ यह है कि पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पना गैर लाम्बिक अभिकल्पना है और ट्रीटमेंट बनाम पंक्तियों और/या ट्रीटमेंट बनाम स्तंभों का वर्गीकरण की गैर-लाम्बिक है। ऐसी स्थितियों के लिए संतुलित अपूर्ण लेटिन स्क्वायर्ड अभिकल्पनाओं को आरंभ किया गया। पैरामीटर v और r के साथ संतुलित अपूर्ण लेटिन स्क्वायर्ड डिजाइन एक ऐसा अपूर्ण लेटिन v ऑडर स्क्वायर्ड है कि प्रत्येक पंक्ति और प्रत्येक स्तंभ में $r < v$ अतिरिक्त सेल एवं v - r रिक्त सेल हैं तथा प्रत्येक v चिन्ह पूर्ण स्क्वायर्ड में यथार्थ रूप से r टाइम में प्रकट होता है। अब से, हम BILS (v, r) के रूप में प्रत्येक चिन्ह के v चिन्ह और r पुनरावर्तनों के साथ एक संतुलित अपूर्ण लेटिन स्क्वायर्ड को निर्दिष्ट करेंगे। यहां शब्द 'बैलेंस्ड' (संतुलित) से अभिप्राय है कि प्रत्येक पंक्ति और स्तंभ में समान संख्या में अतिरिक्त सेल हैं और प्रत्येक चिन्ह में पूर्ण स्क्वायर्ड में समान संख्या के पुनरावर्तन हैं। यह बैलेंस न तो युग्म-वार बैलेंस से संबंधित है और न ही प्रसरण बैलेंस है। यहां BILS (v, r) का निर्माण ऑर्थोगोनल लेटिन स्क्वायर्डों के एक युग्म के माध्यम से लेटिन स्क्वायर्ड ऑर्डर *v* से *v-r* डिस्ज्वॉइंट ट्रांसवर्सलों को अलग कर किया गया है। यहां लेटिन स्क्वेर ऑर्डर v में अनुप्रस्थ v सेल का एक ऐसा सेट है कि प्रत्येक पंक्ति और प्रत्येक स्तंभ में केवल एक ही सेल की अनुमति होती है। इसके अलावा, प्रत्येक चिन्ह प्रत्येक सेल में एक ही बार प्रकट हो सकता है। $3 < v < 21$ के सभी मानों (v = 6, 10, 14, 18 को छोड़कर) के लिए संतुलित लेटिन स्क्वायर्ड अभिकल्पनाओं के ऑनलाइन सष्टजन के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया गया (www.isari.res.in/ design/BILS_Design/Default.aspx पर उपलब्ध कराया गया है)।

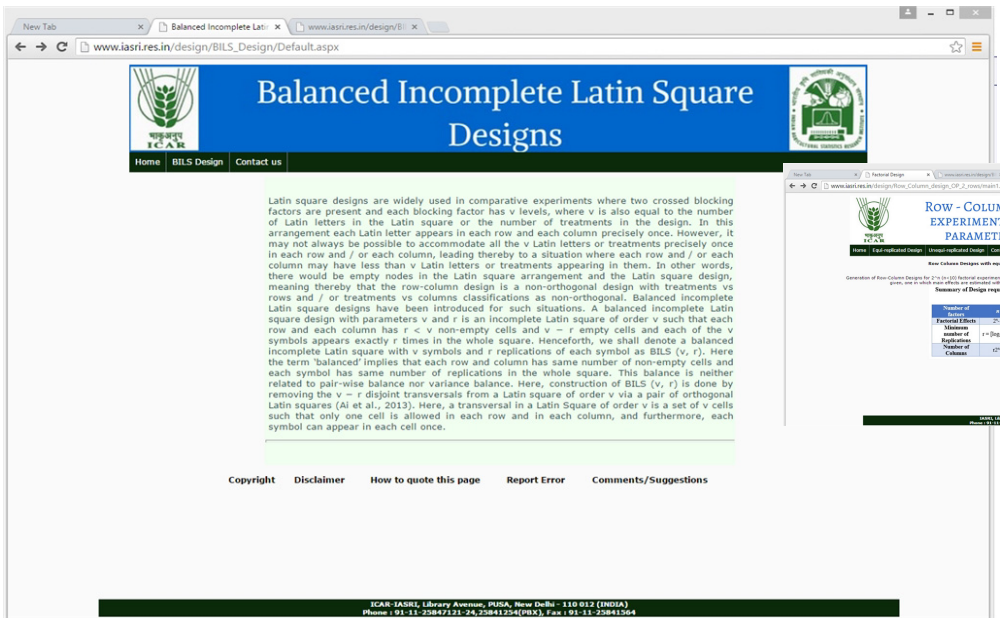

- **लाम्बिक प्राचलीकरण के लिए 2 पंक्तियों में पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाएँ :** पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाएँ उन परीक्षणात्मक स्थितियों के लिए उपयोगी हैं, जिनमें परीक्षणात्मक सामग्री में विषमांगता के दो क्रॉस वर्गीकृत स्रोत हैं। विभिन्न परीक्षणात्मक स्थितियों में व्यवहारिकता को ध्यान में रखते हुए एक पंक्ति -स्तंभ अभिकल्पना के स्तंभ में दो से अधिक परीक्षणात्मक इकाइयों को सयोजित करना संभव नहीं हो सकता है। दो पंक्तियों तथा बहुउपादानी परीक्षण संरचना के साथ पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाओं को दो-स्तंभ माइक्रोएरे परीक्षणों सहित अनेक कृषि परीक्षणात्मक स्थितियों के लिए भी उपयोगी पाया गया है। जब एक पंक्ति-स्तंभ सेट अप में अभिकल्पना गैर-लाम्बिक (नॉन ऑर्थोगोनल) है, तो ऐसी अपेक्षा की जाती है कि इसमें उच्च दक्षता के साथ सभी बहुउपादानी प्रभावों का लाम्बिक आकलन किया जा सकता है। इसके लिए काफी ज्यादा स्तंभों की आवश्यकता पड़ेगी। लागत और समय को ध्यान में रखते हुए किसी अभिकल्पना को अनेक रन्स, जो कि सभी बहुउपादानी प्रभावों के लाम्बिक आकलन के लिए अपेक्षित हैं, में रन करना संभव नहीं होगा। फिर भी, परीक्षणकर्ता लाम्बिक प्राचलीकरण के आधार पर सभी मुख्य प्रभावों तथा सरल अन्योन्यक्रियाओं का लाम्बिक आकलन करने की इच्छा रख सकता है। पंक्ति स्तंभ अभिकल्पनाओं के ऑन लाइन सृजन के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया गया जिसमें मुख्य प्रभावों और सरल अन्योन्यक्रियाओं के लाम्बिक आकलन हेतु 2^n $(n < 10)$ बहुउपादानी परीक्षणों के लिए दो पंक्तियों में प्रत्येक परीक्षणों का बराबर पुनरावर्तन किया गया। यह मॉड्यूल मुख्य प्रभावों और सरल अन्योन्यक्रियाओं के लाम्बिक आकलन के लिए समान पैरामैट्रिक रेंज में असमान पुनरावर्तनों के साथ अभिकल्पनाएँ भी सृजित करता है। यहां प्रत्येक गुणांक के लिए दो अभिकल्पनाएँ सृजित की गई हैं, जिनमें मुख्य प्रभावों का आकलन उच्च दक्षता के साथ किया जाता है। ऑन लाइन जनरेशन मॉड्यूल असमान पुनरावर्तनों के साथ भी उसी प्राचलीकरण रेंज में अभिकल्पनाएँ सृजित करता है जैसा कि मुख्य प्रभावों और सरल अन्योन्यक्रियाओं के लाम्बिक आकलन के संबंध में है। यहां कोई भी व्यक्ति समान-पुनरावर्तन अभिकल्पनाओं में मुख्य प्रभावों और सरल अन्योन्यक्रियाओं के लिए अपेक्षित न्यूनतम पुनरावर्तनों की तुलना में कम स्तंभों के साथ अभिकल्पनाएँ प्राप्त कर सकता है। यह मॉड्यूल http://www.iasri.res.in/design/Row_Column_ design_OP_2_rows/Default.aspx पर उपलब्ध है।

पुरस्कार एवं सम्मान

- डॉ. ए के पॉल एवं डॉ. सुशील कुमार सरकार भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसायटी, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव के रूप में निर्वाचित हुए।
- डॉ. सारिका, डॉ. सुकांत दाश, डॉ. आर के. पॉल एवं श्री सुधीर श्रीवास्तव को भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसायटी, नई दिल्ली के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए।
- डॉ. अनिल कुमार को भा.कृ.अनु.प. - एनडीआरआई करनाल में "बेहतर डेयरी कृषि विधियाँ: नवीनतम पहलें और विस्तार अभिगम" शीर्षक अल्पाविधि पाठ्यक्रम के समापन समारोह और कृषि कॉलेज, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद में ओरियेंटेशन कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. दिनेश कुमार को दिनांक 05 सितंबर, 2015 को कृषि में प्रौद्योगिकी प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीटीएमए), जो कि भा.कृ.अनु.प.-एनएएआरएम और केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद का एक संयुक्त पाठ्यक्रम है, में भा.कृ.अनु.प. नामित एवं प्रायोजित अभियर्थी के रूप में प्रथम बैच में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए स्नातकोत्तर समारोह में शिक्षण उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ एक स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।
- डॉ. दिनेश कुमार दिनांक 09-12 सितंबर, 2015 के दौरान जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में "संगणनात्मक अप्रोच द्वारा कृषि जननद्रव्य के आनुवांशिक ज्ञान का संवर्धन: कृषि उत्पादकता से संबंधित महत्वपूर्ण जीनों/ विशेषकों की माइनिंग के लिए हाई-थ्रोपुट ओमिक्स डाटा" पर वैश्विक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला के आरंभिक सत्र में सामान्य अतिथि थे।
- डॉ. अनिल राय ने दिनांक 22-24 सितंबर, 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प. - एनएएआरएम और भा.कृ.अनु.प. - भा.कृ.सां.अनु.सं. द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "कृषि जैवसूचना विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियाँ" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की सह अध्यक्षता की।
- डॉ. के के चतुर्वेदी ने दिनांक 02-04 सितंबर, 2015 के दौरान अमेटी विश्वविद्यालय, नोएडा में विश्वसनीयता, इंफोकॉम प्रौद्योगिकियाँ और इष्टतमीकरण पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईटीओ; 2015) में "आईटी अनुप्रयोग" सत्र की अध्यक्षता की।
- श्रीमती सुमन खन्ना ने दिनांक 25 जुलाई, 2015 को पटना में आयोजित भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस के अवसर पर प्रशासनिक श्रेणी के लिए भा.कृ.अनु.प. नकद पुरस्कार/ श्रेष्ठता प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 02 जुलाई-सितंबर 2015

प्रारंभ की गई नई परियोजनाएँ

- पशमीना रेशा विकास की क्रियाविधि का वर्णन: एक ओमिक्स अप्रोच (एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501500052), एसकेयूएएसटी, कश्मीर: नजीर ए गनाई, एनडीआरआई, करनाल: जय के कौशिक, भा.कृ.सां.अ.सं., नई दिल्ली: ए आर राव: 01.07.2015-30.06.2018.
- गेहूँ के मूल परिवेश में जीवाण्विक समुदाय फलनों को परिभाषित करने हेतु मेटाजिनोमिक विश्लेषण। (एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501600053)। एनबीएआईएम, मऊ: डी पी सिंह, रेनू, सुनील कुमार, दीलिप तनागरले, लालन शर्मा, अर्जुन सिंह, पी के साहू, भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली: संजीव कुमार, के के चतुर्वेदी, समीर फारुकी: 03.07.2015-31.03.2017
- बकरियों में ऐन्टेरोटॉक्सेमिया उत्पन्न करने में विद्यमान क्लोस्ट्रिडियम परफ्रिंजेन नस्लों के लिए डाटाबेस संग्रह का विकास। (एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501700054)। सीआईआरजी, मखदूम: आरवीएस पावेया, के गुरुंराज, ए के मिश्रा, शिवाशरनप्पा एन, भा.कृ.सां.अनु.स., नई दिल्ली: ए आर राव: 04.07.2015-31.03.2017
- भारतीय बकरियों में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण विशेषको से संबद्ध एसएनपी पर डाटाबेस का विकास। (एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501800055)। सीआईआरजी, मखदूम: आरवीएस पावेया, एम एस दिगे, पी के रौत, भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली: ए आर राव: 04.07.2015 -31.03.2017
- राइस-मेटासिस : सिस्टम बायोलॉजी अप्रोच के जरिए प्रस्फुटन एवं सूखा सहिष्णुता के लिए चावल जीन नेटवर्क को समझना। (एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501900056)। एनआरसीपीबी, नई दिल्ली: टी आर शर्मा, अमोल कुमार यू सोलंके, एस वी अमिता चारू रामा मिश्रा, आर ए नागर, भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली: डी सी मिश्रा, के के चतुर्वेदी: 08.07.2015-31.03.2017
- सह-चरों के साथ फसल उपज का पूर्वानुमान लगाने के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों का प्रयोग करते हुए हाइब्रिड समय श्रृंखला मॉडलों का विकास। (एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201502000057)। वसी आलम, कंचन सिन्हा, मृणमॉय रे, संतोष राठौर, के एन सिंह: 14.07.2015-31.12.2017
- विब्रियो प्रजाति में रोगजनकता के लिए आनुवांशिक बहुरूपता की पहचान करना। (एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201502100058)। सीआईबीए, चेन्नै: अशोक कुमार जंगम, एस वी अलावंडी, के विनय कुमार, बी शिवमणि, सातिशा अबुंजे राठौर:, भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली: मोनेन्द्र ग्रोवर: 19.08.2015-31.03.2017
- अरैखिक एवं द्वि-विचर समय श्रृंखला मॉडलों के लिए पूर्वानुमान मध्यांतरों के निमार्ण के लिए गैर-प्राचलीकृत बूटस्ट्रेप अप्रोच। (एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201522000059)। मृणमॉय रे, के एन सिंह, वसी आलम संतोषा राठौर: 19.08.2015-18.08.2017
- स्पेस टाइम ऑटोरिग्रेसिव मूविंग एवरेज (एसटीएआरएमए) मॉडल का प्रयोग करते हुए अंतरिक्ष-कालिक समय श्रृंखला आँकड़ों का पूर्वानुमान। (एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201502300060)। संतोष राठौर, मृणमॉय रे, अजीत, के एन सिंह: 20.08.2015-19.02.2018
- हाई-थ्रोपुट जीविज्ञानी आँकड़ों के लिए संगठनात्मक और विश्लेषणात्मक समाधान। (एजीईएनआईएएसआरआईएसओएल 20150240061)। अनिल राय, दिनेश कुमार, ए आर राव, मोनेन्द्र ग्रोवर, के के चतुर्वेदी, संजीव कुमार, डी सी मिश्रा: 04.09.2015-31.03.2017.
- स्थाई जीनप्ररूपों के चयन के लिए रैंक आधारित स्थिरता उपायों का विकास। (एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201502500062)। प्रकाश कुमार, ए के पॉल, समेन्द्र दास, एल एम भर: 10.09.2015-31.08.2017.
- काबूली चने के जननद्रव्य मूल्यांकन के लिए कलस्टर एनसेम्बल एलगोरिथ्म। (एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201502600063)। भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली: संगीता आहूजा, ए के चौबे, एनसीपीआईएम, नई दिल्ली: ओ पी शर्मा, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली: एच एल रेगर: 18.09.2015-17.09.2016.
- जूट उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच अभिसरण के कारणों को ज्ञात करना। अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, (डीईएस), कृषि एवं सहकारिता विभाग (डीएसी), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। (एजीईएनआईएएसआरआईएसओएल 201502700064)। यू सी सूद, प्राची मिश्रा साहू, तौकीर अहमद, अजीत, कौस्तुव आदित्य एवं अंकुर बिश्वास: 01.09.2015-31.08.2017.
- उपनति प्रतिरोधी पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाओं पर कुछ अन्वेषण। (एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 20150260065)। अर्पण भौमिक, सीमा जग्गी, एल्दो वर्गीस, सुनील कुमार यादव: 24.09.2015-31.03.2018.

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार
खण्ड 20 संख्या 02 जुलाई-सितंबर 2015

मानव संसाधन विकास

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशालाएँ

क्र.सं.	शीर्षक	स्थान	दिनांक	प्रायोजक	प्रतिभागियों की सं.
		प्रशिक्षण कार्यक्रम			
1.	प्रतिदर्श सर्वेक्षण प्रतिचयन अभिकल्पना पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम निदेशक: डॉ. तौकीर अहमद पाठ्यक्रम सह-निदेशक: डॉ. अंकुर बिश्वास	भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	06-10 जुलाई, 2015	अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, योजना विभाग, उत्तर प्रदेश	18
2.	भा.कृ.अनु.प. - ईआरपी के अंतर्गत परिसंपत्तियों, वार्षिक लेखा और भंडार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. मुकेश कुमार डॉ. एन एस राव	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	13-15 जुलाई, 2015	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	21
3.	डाटा विश्लेषण और निर्वचन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम निदेशक: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पाठ्यक्रम सह-निदेशक: डॉ. अर्पण भौमिक	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	10-22 अगस्त, 2015	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार	40
4.	पे-रोल और एचआर मॉड्यूल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक: डॉ. मुकेश कुमार डॉ. अल्का अरोड़ा	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	18-21 अगस्त, 2015	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	24
5.	लघु क्षेत्र आकलन तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम निदेशक: डॉ. हुकुम चन्द्र पाठ्यक्रम सह-निदेशक: डॉ. कौस्तव आदित्य	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	24-28 अगस्त, 2015	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	19
6.	पे-रोल और एचआर मॉड्यूल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक: डॉ. अंशु भारद्वाज डॉ. मुकेश कुमार	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	01-04 सितंबर, 2015 22-24 सितंबर, 2015	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	34
7.	स्काइमेट वेदर सर्विसिस प्रा. लि., नोएडा के कर्मियों के लिए "क्रॉप कटिंग परीक्षण तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम निदेशक: डॉ. तौकीर अहमद सुश्री वंदिता कुमारी	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	14-19 सितंबर, 2015	स्काइमेट वेदर सर्विस प्रा. लि., नोएडा	15
		परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण			
8.	मिश्रित, पुनरावृत्त और निरंतर फसलीकरण के अंतर्गत फसल क्षेत्र, उपज और उत्पादन के आकलन के लिए विधियों में सुधार लाने हेतु अध्ययन के तहत फील्ड डाटा संग्रहण पर प्रशिक्षण	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	31 अगस्त से 04 सितंबर, 2015	एफएओ	05
		कार्यशालाएँ			
9.	भा.कृ.अनु.प.-एनएएआरएम और भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं.द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "कृषि जैवसूचना विज्ञान में वर्तमान प्रवृत्तियाँ" पर राष्ट्रीय कार्यशाला पाठ्यक्रम निदेशक: डॉ. दिनेश कुमार	भा.कृ.अनु.प.-एनएएआरएम, हैदराबाद	22-24 सितंबर, 2015	भा.कृ.अनु.प.-एनएएआरएम, हैदराबाद	44
10.	एस.पी.एस.एस. द्वारा आँकड़ों का विश्लेषण एवं रिपोर्ट सृजन पर भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं.के तकनीकी कर्मियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला (एसपीएसएस का प्रयोग करते हुए डाटा विश्लेषण और रिपोर्ट सृजन) समन्वयक: डॉ. अर्पण भौमिक डॉ. एल्दो वर्गीस	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	02 सितंबर, 2015	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	23

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 02 जुलाई-सितंबर 2015

विदेश दौरे

- डॉ. हुकुम चन्द्र को दिनांक 13-17 जुलाई के दौरान "सांख्यिकी शिक्षा" पर क्षेत्रीय कार्यशाला में सहभागिता करने हेतु डेजॉन, कोरिया गणतंत्र का दौरा करने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया।
- डॉ. हुकुम चन्द्र को दिनांक 26-31 जुलाई, 2015 के दौरान एक आमंत्रित वार्ताकार के रूप में 60वें अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान विश्व सांख्यिकी कांग्रेस 2015 में सहभागिता करने हेतु रियो डे जेनेरो, ब्राजील का दौरा करने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया। उन्होंने सम्मेलन में सर्वेक्षण सांख्यिकी पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

गतिविधियों के परिदृश्य

- दिनांक 01 अगस्त, 2015 को संस्थान के निदेशक, डॉ. यू सी सूद की अध्यक्षता में संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी) की 64वीं बैठक आयोजित की गई। डॉ. अजीत, डॉ. सीमा जग्गी और वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी ने संस्थान के अनुसंधान उपलब्धियों, शिक्षण एवं प्रशिक्षण क्रियाकलापों और वित्तीय विषयों पर बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में संस्थान के सभी प्रभागाध्यक्षों ने सहभागिता की।
- दिनांक 04-05 अगस्त, 2015 के दौरान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में ज्ञान प्रबंधन पहल के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा रिपोजिटरी के नोडल अधिकारियों की पहली कार्यशाला आयोजित की।
- दिनांक 08-10 अगस्त, 2015 और 11-14 अगस्त, 2015 के दौरान डॉ. ए के. चौबे ने एनएएआरएम और हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किए जा रहे कृषि में तकनीकी प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीटीएमए) के छात्रों के लिए भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं. में क्रमशः सम्पर्क सत्र और एनएएआरएम के साझेदार संस्थान के रूप में परीक्षाओं का आयोजन किया। भा.कृ.अनु.प. में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पहली बार दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भा.कृ.सां.अनु.सं. केंद्र से कुल मिलाकर 16 छात्रों ने सहभागिता की।
- दिनांक 04 जुलाई, 2015 को भा.कृ.सां.अनु.सं. में संस्थान के निदेशक डॉ. यू सी सूद की अध्यक्षता में संस्थान संयुक्त कर्मचारी परिषद की बैठक आयोजित की गई।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

संस्थान में 07 से 14 सितंबर, 2015 के दौरान सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 07 सितंबर, 2015 को हिंदी सप्ताह का उद्घाटन संस्थान के निदेशक, डॉ. उमेश चन्द्र सूद द्वारा किया गया। हिंदी उद्घाटन के तत्पश्चात काव्य-पाठ का आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह के दौरान "डॉ. दरोगा सिंह स्मष्टति व्याख्यान" के साथ-साथ वैज्ञानिक प्रभागों में हिन्दी में सर्वाधिक वैज्ञानिक कार्य करने के लिए प्रभागीय चल-शील्ड के साथ-साथ काव्य-पाठ, वाद-विवाद, प्रश्न-मंच, अंताक्षरी, हिन्दीतर कर्मियों के लिए हिन्दी श्रुतलेख एवं शब्दार्थ लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रश्न-मंच एवं अंताक्षरी प्रतियोगिता के संचालकों द्वारा इन प्रतियोगिताओं को ऑडियो विजुअल रूप से प्रस्तुत किया गया जिससे ये प्रतियोगिताएँ अत्यंत ही रोचक रहीं/ सभी प्रतियोगिताओं में छात्रों सहित संस्थान के विभिन्न वर्गों के कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थान में प्रत्येक वर्ष हिन्दी दिवस के अवसर पर डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है जिसमें किसी सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक द्वारा किसी भी वैज्ञानिक विषय पर हिन्दी में व्याख्यान दिया जाता है। इस वर्ष इस कड़ी का चौबीसवाँ व्याख्यान भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक, डॉ. विजय कुमार भाटिया द्वारा "कृषि सांख्यिकी में मेरा अनुभव" विषय पर दिया गया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.सी.एम.आर के पूर्व अपर महानिदेशक एवं राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के सदस्य, डॉ. पदम सिंह द्वारा की गयी। दिनांक 14 सितंबर, 2015 को हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के सफल प्रतियोगियों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ वर्ष 2014-15 के दौरान "सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना" के

अंतर्गत भी नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त, जुलाई 2014 से सितंबर, 2015 तक की अवधि के दौरान संस्थान में आयोजित हिन्दी कार्यशालाओं के वक्ताओं को भी सम्मानित किया गया।

प्रदान किए गए सेमिनार

संस्थान के वैज्ञानिकों और छात्रों द्वारा कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैवसूचना विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में सेमिनार प्रदान किए गए। इन सेमिनारों में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा पूरी की गई अनुसंधान परियोजना के प्रमुख निष्कर्षों का प्रस्तुतीकरण, और वैज्ञानिकों द्वारा नए परियोजना प्रस्ताव, एम.एससी. एवं पीएच.डी. (कृषि सांख्यिकी), एम.एससी. (संगणक अनुप्रयोग) और एम.एससी. (जैव-सूचना विज्ञान) के छात्रों के शोध प्रबंध/ओआरडब्ल्यू/पाठ्यक्रम सेमिनार सम्मिलित थे।

प्रदान किए गए सेमिनारों का विवरण

श्रेणी	सेमिनार का विवरण	संख्या
छात्र	पाठ्यक्रम	23
वैज्ञानिक	परियोजना प्रस्ताव	07
	परियोजना पूर्णता	03
कुल		**33**

प्रकाशन

अनुसंधान पत्र

- बनर्जी, वी, दास, बी, कृष्णा, पी, वर्मा, एपीएस एवं वर्गीस, ई (2014)। अजैविक दबाव स्थितियों के अंतर्गत गेहूँ फसल विकास स्थिति के सूचकांक के रूप में फसल स्थिति सूचकांक। *फील्डक्रॉप्सरेस.*, **181**, 16-31.
- बसक, पी, चन्द्र, एच, सूद, यू सी एवं लाल, एस बी (2015)। लॉग ट्रांसफॉर्म मॉडल के अंतर्गत विज़म चर के लिए पॉपुलेशन टोटल का पूर्वानुमान। *इंट.जे.एग्रिकल्च.स्टेस्टिट.साइं.*, **9(1)**, 143-154.
- भौमिक, ए, जग्गी, एस, वर्गीस, सी एवं वर्गीस, ई (2015)। प्रतिवेश परीक्षण इकाईयों से अन्योन्क्रिया प्रभावों के लिए संतुलित उपनति रहित ब्लॉक अभिकल्पनाएँ। *जे.जेकोबिनेटॉरिक्स. इंफोर्मेशन एवं सिस्टम साइं.*, **39 (1-4)**, 117-133.
- चदुवुला, पी के, भाटी, जे. राय, ए. गायकवाड़, के. मारला, एस एस, इलनगोवन, एम एवं कुमार, एस (2015)। ज्वार बाइकलर में लवण दबाव के लिए जिम्मेदार जीनों की पहचान और लक्षणवर्णन में इन सिलिको अभिव्यंजित अनुक्रमण टेग विश्लेषण। *अस्ट. जे. क्रॉप्ससाइं.*, **9(9)**, 799-806.
- दास, एस, बिट, ए, पटनायक, एस, साहू, एल, मेहर, पी, साहा, टी. पटेल, ए, पटेल, एन, कोरिंगा, जोशी, सी, अग्रवाल, एस, पांडे, एम, श्रीवास्तव, एस, कुशवाहा, बी, कुमार, आर, नागपुरे, एन, इकबाल, एम ए, जयसवाल, एस, कुमार, डी, जयाशंकर, पी, जेना, जे एवं दास, पी (2015)। कम गहराई वाले शॉट गन अनुक्रमण से लेबियो रोहिता के पूर्ण मिटोकॉंट्रियल जिनोम अनुक्रमण का पता चलता है। मिटोक्रॉंट्रियल डीएनए (http://www.tandfonline. com/doi/full/10.3109/19401736.2015-1074197).
- दिव्या, बी. रोबिन, एस, बिश्वास, ए एवं जॉन, जे ए (2015)। चावल (ओरिजा सतिवा एल) में उपज और प्रस्फुटन प्रतिरोधी विशेषकों में एसोसिएशन आनुवांशिकी। *इंड.जे.एग्रिल.साइं.*, **85(3)**, 354-360.
- ग्रोवर, एम एवं मिश्रा, डी सी (2015)। पोवासिये में अजैविक दबाव से संबंधित प्रोटीनों में फलन के वर्गीकरण के निर्धारण के लिए संगणनात्मक विधियों का विकास। *जे. एपी. बॉयो. साइं. रेस.*, **12**, 1-3.
- ग्रोवर, एम, कुमार, एस, कुमार, आर एवं मिश्रा, डी सी (2015)। जैविक प्रणालियों की पूर्ण जानकारी हासिल करने का क्या मतलब है (या विश्व में उसकी क्या महत्ता है)? *जे. एपी. बाइ. साइं. रेस.*, **12**, 4-5.
- गुप्ता, एस, राव, ए आर, भारद्वाज, पी. डे, एस एवं महापात्रा, टी (2015)। ऊँट एचएसपी70 1ए के अंतर क्षेत्र संचारों और सब्स्ट्रेट बाइंडिंग केवेटी का एक्स्ट्रापोलेशन: एक आण्विक मॉडलिंग एवं गतिकीय अनुकार अध्ययन। *PLOS ONE: **10(8)**:ई136630.डीओआई:10.1371/जर्नल.पोन.0136630.*
- जोहर, वी, ढिल्लन, आर एस, अजीत एवं हांडा, ए के (2015)। मेलिया कम्पोसिटा का फिनोलॉजिकल संव्यवहार और पुनरुत्पादन बायलॉजी। *इंड.जे.एग्रोफोरस्टोरी*, **17(1)**, 62-67.
- खंडेलवाल, ए, गुप्ता, एस, गजभिये, वी टी एवं वर्गीस, ई (2015)। जल में रेसोजिम - मिथाइल का अवक्रमण: परिवर्ती पीएच, तापमान, प्रकाश और वायुमण्डलीय कार्बनडाईऑक्साइड स्तर का प्रभाव। *बुलेटिन ऑफ इनवॉयरमेंटल कॉटमिनेशन एंड टॉक्सीकोलोजी*, डीओआई 10.1007/एस 00128-015-1627-0.

- मंडाडी, एन, हेंड्रिक्सन, सी, हंडानहल, एस, राजप्पा, टी, पाई, एन, जावेद, एस, वर्गीस, ए, राय, ए, पप्पू, ए, नागराज, जी एवं ढिंगरा, ए (2015)। दक्षिणी भारत के एंटोमोपेथोजनिक सूत्रकृमि से वियोजित फोटोरबदस लियूमिनिसेंसिस प्रजातियों का जिनोम अनुक्रमण। जिनोमिक डाटाडीओआई: 10.1016/ जे.जीडाटा. 2015.07.023.
- मिश्रा, एस, बेहरा, टी के, मुंशी, ए डी, भारद्वाज, सी एवं राव, ए आर (2015)। करेले में जनरेशन मीन विश्लेषण के जरिए उपज और उपज विकासमूलक विोषकों की जाइनोसिजम और आनुवांशिकी की वंशागतित्तवता। *इंड. जे. होर्टि.*, **72 (2),** 218-222.
- नंदी, पी के, प्रसाद, आर एवं गुप्ता, वी के (2015)। अपूर्ण बहु-अनुक्रिया परीक्षणों का एक साथ इष्टतमीकरण। *ओपन जे. स्टेटिस्ट.*, **5,** 430-444, डीओआई. http://dx.doi.org/10.4236/ओजेएस. 2015.55045.
- पॉल, ए के, पॉल, आर के, दास, एस, बेहरा, एस के एवं धंदापानी, ए (2015)। नए गैर प्राचलीकरण स्थिरता उपायों का विकास। *इंड. जे. एग्रिल. साइं,* **85(8),** 113-117.
- पॉल, आर के (2015)। उतार चढ़ाव वाले डाटा का पूर्वानुमान करने के लिए अरेमैक्स - गार्च - वेवलेट। *मॉडल असिस्टेड स्टेटिस्टिक्स एवं एप्लीकेशन,* **10(3),** 243-252
- पॉल, आर के, गुरुंग, बी एवं सामंता, एस (2015)। भारत के विभिन्न बाजारों में कृज़ि मूल्यों के पूर्वानुमान में दोहरे लॉग मेमोरी प्रोसेस के प्रभाव का विश्लेषण। *इंड. जे. इम्पिरिकल फाइनेंस,* **4(4),** 235-249.
- रानी, वी, दास, एस, नैन, एल एवं अरोड़ा, ए (2015)। रोडोटोरूला ग्लूटिनस वियुक्त द्वारा सैल सरफेस पर नूतन ग्लूकोज सहिष्णु â-ग्लूकोजसाइडेस का प्रकटीकरण। बायोकेटेलाइसिस एवं एग्रिकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, डीओआई: 10.1016/जे.बीसीएबी 2015.06.004.
- राव, एन एस, गीता, ए के एवं मैती, एस (2015)। भारत के शाकीय उद्यान: एक आशाजनक ऑनलाइन डाटाबेस। *एडवांसिस इन कम्प्यूटर साइंस एवं इनफोर्मेशन टेकनोलॉजी,* **2(11),** 74-78.
- सिंह, एनएमडी, पॉल, ए के एवं पॉल, आर के (2015)। बूटस्टेप तकनीक का प्रयोग करते हुए उपयुक्त अरैखिक विकास मॉडलों का चयन। *इंड. जे. एनिम. साइं.*, **85(8),** 104-107.
- तारा सत्यवती, सी, मुकेश शंकर, एस, सिंह, एस पी, शर्मा, आर एवं वर्गीस, ई (2015)। स्केलेरो स्पोरो ग्रामिनीकोला द्वारा प्रदर्शित चूर्णिल फफूंद के विरुद्ध नए विकसित सफेद अनाज बाजरा वंशावलियों का मूल्यांकन। *इंड. जे. ट्रॉपिकल एग्रिक.*, **33(2),** 1381-1386.
- वर्गीस, सी, वर्गीस, ई, जग्गी, एस एवं प्रसाद, आर (2015)। विशिष्ट संयोजन क्षमताओं के साथ डायलल क्रॉस परीक्षणों के लिए पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाएँ। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टेस्टिट.*, **69(2),** 201-225.
- वर्गीस, ई एवं वर्गीस, सी (2015)। कंट्रोल लाइन के साथ टेस्ट लाइनों की तुलना करने के लिए विशिष्ट संयोजन क्षमताओं को समाविष्ट करते हुए डायलल क्रॉसों के साथ प्रसरण संतुलित पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाएँ। *कॉम. स्टेस्टि. थियो. मेथड्स,* डीओआई: 10.1080/03610926. 2015. 1032428.
- वानी, एम एच, पॉल, आर के, बजाज, एन एच एवं मंजूर, एम (2015)। भारत में सेब के मूल्य का पूर्वानुमान और बाजार समेकन। इंड, जे *एग्रिक. इको.*, **70(2),** 169-181.

पुस्तक अध्याय

- अरोड़ा, ए एवं जैन, आर (2015)। कलस्टिरिंग: कृषि में केस अध्ययन, 271-283. मात्रात्मक विशेषण का उपयोग करते हुए कृषि में निर्णय सहायता प्रणाली। *एग्रोटेक पब्लिशिंग अकादमी,* आईएसबीएन: 978-81-8321-395-0.
- भर, एल एम (2015)। समाश्रयण विश्लेषण डायग्नोस्टिक्स और उपचारात्मक उपाय। 245-270. मात्रात्मक विशेषण का उपयोग करते हुए कृषि में निर्णय सहायता प्रणाली। *एग्रोटेक पब्लिशिंग अकादमी,* आईएसबीएन: 978-81-8321-395-0.
- जग्गी, एस, वर्गीस, सी, वर्गीस, ई एवं भौमिक, ए (2015)। वानिकी अनुसंधान के लिए सांख्यिकी अभिकल्पनाएँ, 13-24. वानिकी में सांख्यिकी: विधियाँ एवं अनुप्रयोग। *बॉनफ्रेंग,कोयंबटूर।*
- पॉल, आर के (2015)। काल श्रृंखला मॉडलिंग से परिचय, 195-206, कृषि व्यवसाय प्रबंधन। *बॉयोटेकबुक्स,* आईएसबीएन: 978-81-7622-350-8.
- पॉल, आर के (2015)। रैखिक काल श्रृंखला विश्लेषण, 284-297. मात्रात्मक विशेषण का उपयोग करते हुए कृषि में निर्णय सहायता प्रणाली। *एग्रोटेक पब्लिशिंग अकादमी,* आईएसबीएन: 978-81-8321-395-0.

- पॉल, आर के (2015)। अरैखिक काल श्रृंखला विश्लेषण: गार्च मॉडल का एक अनुप्रयोग, 298-306. मात्रात्मक विशेषण का उपयोग करते हुए कृषि में निर्णय सहायता प्रणाली। *एग्रोटेक पब्लिशिंग अकादमी,* आईएसबीएन: 978-81-8321-395-0.

पॉकेट डायरी

- गुप्ता, वी के, प्रसाद, आर एवं मंडल, बी एन (2015)। कृज़ि अनुसंधान में परीक्षण अभिकल्पनाओं की महत्ता।

लोकप्रिय लेख

- गुप्ता, वी के, मंडल, बी एन एवं प्रसाद, आर (2015)। टाइम लाइन पर सांख्यिकी का इतिहास। http://sample.iasri.res.in/ssrs/history.pdf पर उपलब्ध।

प्रशिक्षण मैनुअल/ ई-मैनुअल

- प्रतिदर्श सर्वेक्षण और प्रतिचयन अभिकल्पना (2015, संपा. अहमद, तौकीर एवं विश्वास, अंकुर)।
- डाटा विश्लेषण एवं निर्वचन। (संपा. प्रसाद, राजेन्द्र एवं भौमिक, अर्पण)।

परियोजना रिपोर्टें

- सुकांता दास, एन के शर्मा, कामता प्रसाद एवं एन रविशंकर (2015)। विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में स्थायी विकास प्रणाली पर परीक्षण का निष्कर्ष। (2000-2012), भा.कृ.सां.अ.सं./ पी.आर. - 10/2015.

विकसित किए गए डाटाबेस

- गेहूँ इन सिलिको एवं परीक्षण एसएसआर डाटाबेस और वेब पोर्टल विकास (यू बी अंगड़ी)।

प्रदान किए गए आमंत्रित व्याख्यान

- दिनांक 16 जुलाई - 05 अगस्त, 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प.: राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएपी) में आयोजित "कृषि में निर्णयन के लिए विश्लेषणात्मक तकनीकें" पर ग्रीष्मकालीन स्कूल में निम्नलिखित व्याख्यान प्रदान किए गए:
  - डॉ. यू बी अंगड़ी : i) केस अध्ययन: पशु आहार संसाधनों में डाटाबेस और विशेषज्ञ प्रणाली तथा ii) कृषि में आईसीटी पर दो व्याख्यान।
  - डॉ. हुकुम चन्द्र : प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के विभिन्न मूलभूत सिद्धांतों पर एक व्याख्यान।
  - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद : एसएएस पर दो व्याख्यान: एक विहंगावलोकन।
  - डॉ. अनिल राय : जैवसूचना विज्ञान और कृज़ि में इसके अनुप्रयोगों पर एक व्याख्यान।
  - डॉ. एन श्रीनिवास राव : डाटा सेंटर और भा.कृ.अनु.प. में इसकी सेवाओं पर एक व्याख्यान।
  - डॉ. प्राची मिश्रा साहू : जीआईएस के विहंगावलोकन और अनुप्रयोगों पर दो व्याख्यान।
  - डॉ. सिनी वर्गीस : एक्सल का प्रयोग करते हुए सांख्यिकी विश्लेषण पर दो व्याख्यान।
  - डॉ. एल्दो वर्गीस : एसपीएसएस के विहंगावलोकन पर दो व्याख्यान।
- दिनांक 27 अगस्त, 2015 को कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल, श्रीनगर में विज्ञान विदों के लिए एक साप्ताहिक अनुसंधान पद्धति कार्यशाला।
  - डॉ. यू सी सूद: विभिन्न प्रतिचयन तकनीकों के प्रयोग और कृषि सर्वेक्षण में उनके अनुप्रयोगों पर एक व्याख्यान।
- दिनांक 25-31 अगस्त, 2015 के दौरान यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल, श्रीनगर में आयोजित विज्ञान अनुसंधान विशेषज्ञों/ कश्मीर के कॉलेजों और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला।
  - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद। परीक्षण अभिकल्पनाओं के मूल सिद्धांतों और अभिकल्पित परीक्षणों पर वेब संसाधन पर चार आमंत्रित व्याख्यान।
  - डॉ. यू सी सूद। विभिन्न प्रतिचयन तकनीकों का प्रयोग और कृषि सर्वेक्षणों में उनके अनुप्रयोग।
- दिनांक 02-22 सितंबर, 2015 के दौरान भाकृअसं, नई दिल्ली में "कृषि विस्तार के लिए संचार एवं प्रबंधन टूल्स और अप्रोचिस" पर 21 दिवसीय सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
  - डॉ. एन. श्रीनिवास राव: "स्वयं का वेब पेज सृजित करना: गूगल साइट" पर एक व्याख्यान।

- दिनांक 22 सितंबर, 2015 को भा.कृ.अनु.प.-एनएएआरएम, हैदराबाद में फोकार्स के प्रतिभागी।
  - डॉ. अनिल राय: "भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं.में कृषि जैवसूचना विज्ञान और संगणनात्मक जीवविज्ञान गतिविधियाँ" पर एक व्याख्यान।
- दिनांक 05-25 सितंबर, 2015 से भा.कृ.अनु.प.-आईआईपीआर में "दलहनी फसलों की उत्पादकता और पोषण गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नवीनतम जिनोमिक टूल्स और आधुनिक प्रजनन अप्रोचिस" पर ग्रीमकालीन स्कूल।
  - डॉ. दिनेश कुमार: नूतन चरणों की पहचान करने के लिए एलिल माइनिंग पर व्याख्यान पर व्यावहारिक सत्र।
  - डॉ. एम ए इकबाल: एनजीएस डाटा विश्लेषण पर व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र: काबुली चने में ट्रांसक्रिप्टॉम विश्लेषण और इसके अनुप्रायोग।
- दिनांक 03 सितंबर, 2015 को सनातन धर्म कालेज (लाहौर), अम्बाला कैम्प, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा का एक संबद्ध कॉलेज।
  - डॉ. दिनेश कुमार: 21वीं शताब्दी में बहु-विषयक अनुसंधान और कैरियर अवसरों के साथ बॉयलॉजिकल विज्ञान की महत्ता (आमंत्रित वार्ता)।
- दिनांक 22-24 सितंबर, 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद में आयोजित कृषि जैवसूचना विज्ञान पर वर्तमान उन्नयनों पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
  - डॉ. एम ए इकबाल: i) डाटा क्लीनिंग और पूर्व प्रसंस्करण, ii) जिनोम असेम्बली, iii) जिनोम एनोटेशन (संरचनात्मक एवं फलनात्मक), iv) ट्रांसक्रिप्टॉम विश्लेषण (संदर्भ एवं डिनोवो) और v) मेटाजिनोम विश्लेषण पर 5 व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र।
- दिनांक 14-15 सितंबर, 2015 के दौरान तोरिया - सरसों अनुसंधान निदेशालय, सेवार, भरतपुर में आयोजित विभिन्न स्थितियों के अंतर्गत परिशुद्ध मूल्यांकन के लिए तोरिया-सरसों के गुणवत्ता परीक्षण/ फील्ड परीक्षण करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद: i) परीक्षण अभिकल्पनाओं के मौलिक सिद्धांत, ii) संवर्धित अभिकल्पनाएँ, iii) सह-प्रसरण का विश्लेषण, iv) डायग्नोस्टिक और उपचारात्मक उपाय, v) डिजाइन रिर्सोस सर्वर तथा vi) भारतीय एनएआरएस सांख्यिकी संगणना पोर्टल पर 6 व्याख्यान।

प्रदान किए गए शोध पत्र

- दिनांक 26-31 जुलाई, 2015 को रियो डे जेनेरो, ब्राजील में आयोजित 60वीं अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान विश्व सांख्यिकी कांग्रेस 2015.
  - चन्द्र, एच, सालवती, एन और चेम्बर्स, आर (2015)। स्थानिक गैर-स्थिर मॉडल के अंतर्गत डिसक्रिट डाटा के लिए लघु क्षेत्र पूर्वानुमान।
- दिनांक 17 जुलाई, 2015 को लेमेरीडन, नई दिल्ली में आयोजित अलटेयर टेकनोलॉजी सम्मेलन एटीसी × 2015.
  - राय, अनिल, चतुर्वेदी, के के*, लाल, एस बी, अंगड़ी, यू बी एवं जय भगवान। कैबग्रिड: भारतीय कृषि के लिए इंट्रेक्टिव जॉब प्रस्तुतीकरण और प्रबंध पोर्टल (आमंत्रित वार्ता)।
- दिनांक 04-05 अगस्त, 2015 के दौरान एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित ज्ञान प्रबंधन पहल के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा रिपोजिटरी के नोडल अधिकारियों की पहली कार्यशाला।
  - जग्गी, सीमा* एवं सरकार, सुशील कुमार। अभिकल्पित परीक्षणों पर सूचना प्रणाली (यूनिट लेबल डाटा रिपोजिटरी पर तकनीकी सत्र IV आईबी में) (वार्ता)।
  - प्रसाद, राजेन्द्र। भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा मेनेजमेंट नीति। (तकनीकी सत्र I में: भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा प्रबंधन नीति और ज्ञान प्रबंधन के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा रिपोजिटरी) (वार्ता)
- दिनांक 25-26 सितंबर, 2015 के दौरान बीएस अनंगपूरिया प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद में आयोजित संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी अनुसंधान में हालिया प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।
  - आरती सिंह, अनु शर्मा, निलंजन डे एवं अमीरा एस, अशोहर (2015)। वेब सिफारिश तकनीकें: स्थिति, मुद्दे और चुनौतियाँ।

सहभागिता

सम्मेलन/ कार्यशालाएँ/ प्रशिक्षण/ सेमिनार/ संगोष्ठियाँ आदि

- दिनांक 06 जून, 2015 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, मैक्समूलर मार्ग, नई दिल्ली में संग्रहालय रखरखाव पर एकदिवसीय सम्मेलन (डॉ. पॉल सिंह)।
- दिनांक 12 जुलाई, 2015 को भा.कृ.अनु.प.-एनबीएफजीआर, लखनऊ में भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली के महानिदेशक द्वारा सीआरपी-जिनोमिक का शुभारंभ (श्री यू सी सूद एवं डॉ. अनिल राय)।
- दिनांक 04-05 अगस्त, 2015 के दौरान ए. पी. शिंदे सभागार भवन, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित ज्ञान प्रबंधन पहल के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा रिपोजिटरी के नोडल अधिकारियों की कार्यशाला (डॉ. यू सी सूद)।
- दिनांक 22-23 जुलाई, 2015 को भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली में एमआईएस - एफएमएस के एससीएम मॉड्यूल पर प्रशिक्षण (डॉ. एन एस राव)।
- दिनांक 24 जुलाई, 2015 को भाकृअनुसं, नई दिल्ली में भारतीय सुदूर सम्मेलन सोसायटी (दिल्ली अध्याय) और भारतीय कृषि भौतिकी सोसायटी द्वारा आयोजित डॉ. जैक्विस डिलिंस, वरिष्ठ सांख्यिकीविद्, एफएओ, रोम द्वारा "कृषि संसाधनों की निगरानी (एमएआरएस): यूरोपीय संघ का अनुभव" पर लोकप्रिय वार्ता (डॉ. अंकुर बिश्वास एवं श्री कंचन सिन्हा)।
- दिनांक 04-05 अगस्त, 2015 के दौरान एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित KRISHI (कृषि) : कृषि में उन्नयनों के लिए ज्ञान आधारित संसाधन सूचना प्रणाली (ज्ञान प्रबंधन के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान डाटा रिपाजिटरी) के नोडल अधिकारियों की पहली कार्यशाला (डॉ. सीमा जग्गी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. अजीत, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सुशील कुमार सरकार एवं डॉ अर्पण भौमिक)।
- दिनांक 21-24 अगस्त, 2015 के दौरान एसडी कृषि विश्वविद्यालय, सरदार कृषि नगर, दंतेवाड़ा, गुजरात में आयोजित 54वें अखिल भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान कर्मचारियों का सम्मेलन। फसल सुधार पर सत्र (दिनांक 21 अगस्त, 2015 को आयोजित) में संस्थान द्वारा सक्रिय रूप से सहभागिता की गई और किस्मगत परीक्षणों की डिजाइनिंग एवं विश्लेषण तथा वंशावलियों के प्रोन्नयन के मानदण्ड से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।
- दिनांक 02-11 सितंबर, 2015 के दौरान एनएएआरएम में "सांख्यिकी टूलों का प्रयोग करते हुए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए भू आकाशीय विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (डॉ. प्रवीन आर्या)।

बैठकें

- दिनांक 13 जुलाई, 2015 को थाइकॉड, तिरुवन्नतमपुरम में केएलएसएसएसपी के विशेषज्ञों की समिति (कृषि सांख्यिकी) की दूसरी उप-समिति (डॉ. यू सी सूद)।
- दिनांक 25-26 जुलाई, 2015 के दौरान पटना में भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस और पुरस्कार समारोह (डॉ. यू सी सूद)।
- दिनांक 03 अगस्त, 2015 को कृषि भवन, नई दिल्ली में सचिव, डेयर और महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. एस. अय्प्पन की अध्यक्षता में भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसायटी की कार्यकारी परिषद की बैठक (डॉ. यू सी सूद, डॉ. अंशु भारद्वाज, मो. समीर फारुकी एवं श्री अंकुर बिश्वास)।
- दिनांक 03 अगस्त, 2015 को कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैवसूचना विज्ञान के विषय-क्षेत्र में नये चयनित एमएस. सी. पीएच.डी. छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम (अध्यक्ष के रूप में डॉ. यू सी सूद और प्रोफेसर एवं संकाय सदस्य)।
- दिनांक 06 अगस्त, 2015 को बीज प्रभाग, कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित बीज बिल 2004 के अंतर्गत किस्मों का पंजीकरण और किस्मों के निष्पादन के मूल्यों के लिए आईटी प्लेटफॉर्म के विकास पर बैठक और भा.कृ.सां.अनु.सं.द्वारा प्रस्तुत किए प्रस्ताव पर संस्थान के दृष्टिकोण का प्रस्तुतीकरण किया गया। (डॉ. ए के चौबे एवं डॉ. अलका अरोड़ा)
- दिनांक 06 अगस्त, 2015 को एनएआईपी, नई दिल्ली में भा.कृ.सां.अनु.सं.और एनआईएपी के लिए प्रशिक्षण छात्रावास के निर्माण के लिए परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी) की बैठक (डॉ. यू सी सूद)।

- दिनांक 06 अगस्त, 2015 को सरदार पटेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय एवं राज्य सांख्यिकी संगठनों के 23वें संगठनों (सीओसीएसएसओ) के लिए स्थायी समिति। (डॉ. यू सी सूद)।
- दिनांक 07 अगस्त, 2015 को जैवसूचना विज्ञान के विषय-क्षेत्र में शिक्षा मंडल की बैठक (डॉ. यू सी सूद अध्यक्ष के रूप में)।
- दिनांक 11 अगस्त, 2015 को एटीएफसी परियोजना "प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान और निर्धारण परिषद" (टीआईएफएसी), नई दिल्ली के कर्मियों के साथ बैठक (श्री संतोष राठौर एवं श्री मृणमॉय रे)।
- दिनांक 20 अगस्त, 2015 को मेरा गाँव मेरा गौरव प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए बैठक (अध्यक्ष के रूप में निदेशक और सभी प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष और पीएमई प्रभारी)।
- दिनांक 21-24 अगस्त, 2015 के दौरान सरदार कृषि नगर, दंतेवाड़ा, कृषि विश्वविद्यालय, दंतेवाड़ा, गुजरात में 54वां अखिल भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान कर्मचारियों का सम्मेलन। सम्मेलन में "गेहूँ सुधार में संगणानात्मक जीवविज्ञान के अनुप्रयोग" का प्रस्तुतीकरण किया गया और गेहूँ आण्विक प्रजनन कार्यक्रम कंसोटियम की रूपरेखा के लिए इनपुट उपलब्ध कराया गया, जहां कैबिन, भा.कृ.सां.अनु.स., एआईसीआरपी कार्यक्रम के जरिए देश में गेहूँ जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम को समर्थन देने हेतु जिनोमिक डाटा विश्लेषण में अपनी अधिदेशित भूमिका का योगदान कर सकते हैं (डॉ. दिनेश कुमार)।
- "मिश्रित, पुनरावृत्त और निरंतर फसलीकरण के अंतर्गत फसल क्षेत्र, उपज और उत्पादन का आकलन करने के लिए विधियों में सुधार लाने पर अध्ययन" परियोजना के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी डिजाइन करने के बारे में सीएपीआई सॉफ्टवेयर पर चर्चा करने हेतु दिनांक 26 अगस्त, 2015 को संस्थान में श्री माइकल आस्टिन रहीजा, अनुसंधान अधिकारी, एफएओ, रोम, इटली के साथ स्काइप बैठक (डॉ. अंकुर विश्वास)।
- टीएमआईएस सॉफ्टवेयर के प्रस्तुतीकरण के बारे में दिनांक 31 अगस्त, 2015 को कृषि भवन, नई दिल्ली में भा.कृ.अनु.प. की एसओसी बैठक (डॉ. सुदीप)।
- दिनांक 31 अगस्त, 2015 को कृषि भवन, नई दिल्ली में अंतर मंत्रालय समिति (आईएमसी) द्वारा उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली की समीक्षा (डॉ. यू सी सूद)।
- दिनांक 03 सितंबर, 2015 को आयोजित इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के विज्ञान स्कूल बोर्ड की 54वीं बैठक (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।

प्रदान की गई परामर्शी/ सलाहकार सेवाएँ

- डॉ. अर्पण भौमिक ने विभिन्न कंपाउण्डों, अर्थात टरपेनॉइड्स, ग्रीन प्लांट वोलाटाइल्स, एरोमेटिक, एलीफेटिक तथा नाइट्रोजनयुक्त कंपाउण्ड के विरुद्ध यूजी फ्लाई के इलेक्ट्रोएनटेनोग्राम अनुक्रियाओं पर आँकड़ों के लिए प्रसरण के द्वि-पथीय विश्लेषण के प्रयोग पर कृषि कीट विज्ञान प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश एम. नेबाप्योर को सलाह प्रदान की।
- डॉ. मृणमॉय रे ने आबिडी अभिकल्पना के प्रयोग के संबंध में भाकृअसं, नई दिल्ली के वैज्ञानिक, डॉ. मधुबाला ठाकरे को सुझाव दिया।
- डॉ. मृणमॉय रे ने फ़ज़्ज़ी लॉजिक के संबंध में वीपीकेएएस, अल्मोड़ा के वैज्ञानिक, श्री अनिरबान मुखोपाध्याय को सुझाव दिया।
- श्री संतोष राठौर ने भाकृअसं, नई दिल्ली में "गेहूँ (ट्राइकुम एसटीवुम एल.) में उच्च तापमान दबाव के अंतर्गत गिबरेलिक अम्ल की रेगुलेटरी भूमिका" शीर्षक परियोजना (सीएसआईआर द्वारा वित्तपोषित) के बारे में दिनांक 20 जुलाई, 2015 को डॉ. हिना शर्मा, एसआरएफ को सलाह प्रदान की।
- श्री प्रकाश कुमार ने सोयाबीन पर आँकड़ों के विश्लेषण में पीजी स्कूल, भाकृअसं की पीएच.डी. छात्रा, सुश्री वनिता पाण्डे को सलाह प्रदान की।
- श्री समरेन्द्र दास ने अनुसंधान कार्य के डाटा विश्लेषण के बारे में एमएस.सी. (पुष्प विज्ञान) के एक छात्र को एडवाइजरी और विश्लेषण के बारे में सहायता प्रदान की। डाटा ग्लेडियोलस जीनप्ररूपों के विकास पर विभिन्न जैव उर्वरक खुराकों के प्रभाव पर अध्ययन से संबंधित था। आरसीबीडी का प्रयोग कर विभिन्न विशषकों, जैसे पादप की ऊंचाई, कॉर्न की लंबाई, कॉर्न का वजन आदि पर डाटा सृजित किया गया और एसएएस (9.4) में विश्लेषण किया गया।

- श्री प्रकाश कुमार ने किस्म विकास के जीनप्ररूप × पर्यावरण स्थिरता विश्लेषण अनुक्रिया हेतु दिए गए डाटा के लिए सृजित जीजीई प्लाट और स्थिरता विश्लेज़ण के संबंध में डाटा के विष्ठलेज़ण पर पीजी स्कूल, भाकृअसं, नई दिल्ली के पीएच.डी. छात्र, श्री हरीष्ठा मखीजा को सलाह प्रदान की।
- डॉ. रंजीत कुमार पॉल ने अरिमा, सरिमा सह-समेकन और वेबलेट तकनीकों का प्रयोग करते हुए आलू के मूल्य के पूर्वानुमान के बारे में कृषि आर्थिकी एवं कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू के एक पीएच.डी. छात्र, रवि शंकर एम. परिधि को सलाह प्रदान की।
- श्री यू के प्रधान ने अरिमा मॉडल का प्रयोग करते हुए विभिन्न अनाजों और दलहनों के उत्पादन का पूर्वानुमान करने हेतु ओयूएटी, भुवनेश्वर के एमएस.सी. छात्रा, सुश्री सिनिग धरनी साहू को सलाह प्रदान की।
- डॉ. अर्पण भौमिक ने जैविक खेती प्रणाली के अंतर्गत जीवाण्विक विविधता विश्लेषण का अध्ययन करने के लिए कलस्टर विश्लेषण के उपयोग पर पर्यावरण विज्ञान एवं जलवायु अनुकूल कृषि केंद्र (सीईएससीआरए) भा.कृ.अनु.प.-भाकृअसं, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. नमिता शाह को सलाह प्रदान की। डाटा का विश्लेषण एसएएस 9.3 का प्रयोग कर किया गया।
- डॉ. बिशाल गुरुंग ने श्री अमृत लामी चेनी, वैज्ञानिक आईआईपीआर को उनके अनुसंधान कार्य के लिए D^2 और प्रमुख घटक विश्लेषण के उपयोग पर विश्लेषण करने की क्रियाविधि के बारे में सलाह प्रदान की। विश्लेषण एसएएस सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर किया गया।
- डॉ. रंजीत कुमार पॉल ने ट्राईसाइक्लाजोल के अवक्रमण पर नमी, मृदा प्रकृति और नीली हरी अलगेयी (बीजीए) के प्रभाव का विश्लेषण करने के बारे में कृषि रासायन विज्ञान, भाकृअसं के डॉ. विपाशा सरकार को सलाह प्रदान की।
- डॉ. हुकम चन्द्र ने दिनांक 20 सितंबर, 2015 के दौरान श्रीलंका में कृषि और ग्रामीण सांख्यिकी में सुधार लाने हेतु वैश्विक कार्यनीति के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के एफएओ को परामर्श प्रदान किया।

प्रतिलिप्याधिकार (कॉपीराइट)

- दिनांक 15 जुलाई, 2015 को भा.कृ.सां.अनु.सं.के निम्नलिखित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर/ प्रकाशन के लिए प्रतिलिप्याधिकार प्राप्त किए गए :
  - सीमा जग्गी, सिनी वर्गीस, एल्दो वर्गीस और अनु शर्मा (2014)। ट्रीटमेंटों के अप्रत्यक्ष प्रभावों के लिए संतुलित परीक्षण अभिकल्पनाओं का वेब सृजन (WebDBIE) "भा.कृ.सां.अनु.सं.वेबसाइट www.iasri.res.in/webddie पर उपलब्ध"। (पंजीकरण संख्या एसडब्ल्यू - 8370/2015)।
  - यू सी सूद, एचवीएल बाथला, जगबीर सिंह, जी के झा, डी सी माथुर, के के खैर, के मुरलीधरन, सी थम्बन और सी वी साईराम। केरल में नारियल के उत्पादन की लागत पर प्रायोगिक अध्ययन (पंजीकरण संख्या एल-62123/2015)।

कार्मिक

आपकी पदोन्नति पर बधाई

नाम	पदनाम	प्रभावी तिथि
श्री त्रिलोक सैनी	सहायक	03.08.2015
श्री पी आर पेटे	अवर श्रेणी लिपिक	03.08.2015
श्री सुनील कुमार-II	अवर श्रेणी लिपिक	04.08.2015
श्रीमती अलका नायर	आशु. ग्रेड -III (दूसरी एसीपी)	25.08.2015
श्रीमती अलका नायर	निजी सहायक	31.08.2015
श्री प्रेम प्रकाश	निजी सहा. (तीसरी एसीपी)	01.07.2015
श्रीमती हर्ष कपूर	सहायक (तीसरी एसीपी)	24.07.2015
श्रीमती मंजू गुलाटी	सहायक (तीसरी एसीपी)	01.08.2015
श्री सूरत राम	निजी सहा. (तीसरी एसीपी)	09.08.2015
श्रीमती अनिता मलिक	सहायक (तीसरी एसीपी)	01.07.2015

सेवानिवृत्त जीवन के लिए आपको शुभकामनाएँ

नाम	पदनाम	प्रभावी तिथि
श्री यू पी सिंह	मुख्य तकनीकी अधिकारी	31.08.2015

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 01 जुलाई-सितंबर, 2015

संकलन एवं संपादन

यू सी सूद, अजीत, नरेश चन्द, विजय बिन्दल, पी पी सिंह एवं अनिल कुमार

प्रकाशक

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं.

लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली-110 012 (भारत)

ई-मेल: director@iasri.res.in, director.iasri@icar.gov.in

pme@iasri.res.in, pme.iasri@icar.gov.in

वेबसाइट : www.iasri.res.in

दूरभाष: +91 1125841479

फैक्स: +91 1125841564